तीन अलग-अलग विमानों से उदयपुर संभाग के 20 विद्यार्थी बुधवार को डबोक एयरपोर्ट पहुंचे। बांसवाड़ा, भीलवाड़ा, डूंगरपुर और निम्बाहेड़ा के इन विद्यार्थियों की सकुशल वापसी पर ए.डी.एम. अशोक कुमार ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया।

उदयपुर संभाग के 20 विद्यार्थी यूक्रेन से लौटे

इनमें से 13 बांसवाड़ा, 2 भीलवाड़ा, 4 डूंगरपुर और एक छात्र चित्तौड़गढ़ का रहने वाला है

उदयपुर, 2 मार्च (निस)। रूस-यूक्रेन संकट के बीच यूक्रेन में फंसे भारतीय विद्यार्थियों को सकुशल स्वदेश लाने की मुहिम लगातार जारी है। प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के अहम फैसले पर राजकीय खर्च से इन बच्चों को घर तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई। इसी कड़ी में बुधवार को तीन अगल-अलग विमानों से उदयपुर संभाग के 20 विद्यार्थी उदयपुर के डबोक एयरपोर्ट पर पहुंचे। इनमें 13 बच्चे बांसवाडा, 2 भीलवाड़ा, 4 डूंगरपुर से और 1 चित्तौड़गढ़ के निम्बाहेड़ा से है।

डबोक एयरपोर्ट पर एडीएम अशोक कुमार ने इन सभी बच्चों की अगवानी की और सकुशल स्वदेश पहुंचने पर बच्चों का स्वागत किया। एयरपोर्ट पर समाजसेवी पीयूष कच्छावा और मनोज कुमावत की तरफ से अल्पाहार पैकेट बांटे गए। एडीएम कुमार ने बच्चों से बातचीत की। इसके बाद इन बच्चों को राज्य सरकार की तरफ से सरकारी खर्चे पर घरों के लिए किया रवाना किया। इस अवसर पर वल्लभनगर एसडीएम श्रवणसिंह राठौड़ और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

यूक्रेन से सकुशल अपने घर लौटे निम्बाहेड़ा उपखण्ड के अरनोदा निवासी महेश पिता सुरेश टांक ने 2 मार्च, बुधवार को निम्बाहेड़ा स्थित भाजपा कार्यालय पर पूर्व मंत्री श्रीचंद कृपलानी को धन्यवाद व आभार प्रकट करते कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार यूक्रेन में फंसे छात्रों की स्वदेश वापसी का सराहनीय कार्य कर रही है।

इस अवसर पर भाजपा कार्यालय पर पूर्व मंत्री श्रीचंद कृपलानी सहित पूर्व विधायक अशोक नवलखा, भाजपा नगर मण्डल अध्यक्ष नितिन चतुर्वेदी सहित भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने उनका अभिनंदन किया।

बांसवाड़ा संवाददाता के अनुसार : यूक्रेन से बांसवाड़ा के 7 छात्र सकुशल लौटे। बुधवार को मोहन कोलोनी चौराहे पर उनका जिला प्रशासन ने स्वागत किया और उनको घर पहुंचने के लिए पूरी व्यवस्था की गई।

जिले के निर्देश दोषी बागीदौरा, तनिश मेहता तलवाड़ा, ध्रुव जोशी बागीदौरा, भूधर व्यास पालोदा, प्रनय जैन पालोदा, भव्य सिंह चौधरी और विन्ध्य दोशी बुधवार को बांसवाडा पहुंचें। उनके परिजनों ने प्रशासन व सरकार को धन्यवाद देकर खुशी जाहिर की।

होस्टल और बंकर में बैठे हैं छात्र

- रोमानिया से जोधपुर पहुंचे छात्र ने बताए हालात।

जोधपुर/बाड़मेर, 2 मार्च (कासं)। यूक्रेन व रुस के बीच चल रहे युद्ध के बीच भारतीयों की वतन वापसी के क्रम में बाड़मेर के चौहटन का एक स्टूडेंट जोधपुर एयरपोर्ट पर पहुंचा। अशोक नामक इस विद्यार्थी ने बताया कि वह रोमानिया यूनिवर्सिटी में पढ़ता है।

उसने बताया "हम जैसे-तैसे तो निकल आए लेकिन अब चिंता यह है कि फाइनल डिग्री हमें कैसे मिलेगी। वहां 6 साल से पढ़ाई कर रहे हैं। अशोक एमबीबीएस फाइनल ईयर का स्टूडेंट है। जोधपुर एयरपोर्ट पर एसडीएम अपूर्वा पोरवाल, तहसीलदार हनुमान बैरवा, बाड़मेर के प्रशासनिक अधिकारी भोपाल सिंह मौजूद रहे। एयरपोर्ट से अशोक को सर्किट हाउस ले जाया गया।

यहां कुछ देर रुकने के बाद वह बाड़मेर के लिए रवाना हुआ।

बंकर में बैठे हैं कई छात्र :

अशोक ने बताया कि "अब भी स्टूडेंट हॉस्टल और बंकर में बैठे है। स्टूडेंट्स ने वहां कई ग्रुप बना रखे हैं। इन ग्रुप के जरिए एक-दूसरों को कैब के नम्बर व आगे की स्थिति शेयर कर रहे हैं। एक दूसरे को मोटिवेट कर रहे है कि बाहर निकलने की हिम्मत करों और सुरक्षित स्थानों की ओर पहुंचो। ग्रुप में कई स्टूडेंटस के पेरेंट्स भी जुड़े हैं। वह स्टूडेंट्स को रूट बता रहे हैं कि कहां से निकलना है। कौन सा एरिया सेफ है।"

वहीं अशोक कुमार के बाड़मेर पहुंचने पर बुधवार को जिला कलैक्टर लोक बंधु ने साफा पहनाकर स्वागत किया।

मस्जिद...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनका क्षेत्र अपराध की बस्ती बन जाएगा।

यह विवाद एक ज्वलंत बिंदु बन गया है और दक्षिण कोरिया के इम्मिग्रेशन और बहुसंस्कृतिवाद जैसे बड़े मुद्दों का एक भाग है। यद्यपि, दक्षिण कोरिया अपनी संस्कृति दुनिया भर में भेजने में सफल रहा है फिर भी दक्षिण कोरिया के लोगों का अधिकांश गुस्सा उनके देश के मुसलमानों, खासकर वे जो बाहर से आए हैं, के प्रति है। आवास की बढ़ी हुई लागत, सामाजिक मेलजोल के अभाव और आय के बढ़ते अंतर से तनाव और बढ़ा है।

अधिकांश कोरियाइ लोग इतिहास का हवाला देकर अपने रूख को स्पष्ट करते हैं। वे कहते है कि उनके देश ने सदियों की घुसपैठ, बाहरी हमलों के बाद अपना क्षेत्र और पहचान विकसित की है। इम्मिग्रेशन का विरोध करने वाले इसे दक्षिण कोरिया के "शुद्ध" रक्त और प्रजातीय एकरूपता के लिए खतरा मानते है।

दक्षिण कोरिया में इम्मिग्रेशन से डैमोग्राफिक संकट पैदा हो गया है कुछ ग्रामीण पुरूषों ने विदेशी महिलाओं से विवाद करना शुरू कर दिया है, लेकिन जब सरकार ने बहुसांस्कृतिक परिवारो की सहायता के लिए नीतिया घोषित की तो भारी जन विरोध हुआ।

पुरानी पेंशन स्कीम को भुनाने के लिए आभार जताने का प्रायोजित कार्यक्रम

दूसरी ओर जलदाय विभाग के कर्मचारी महापड़ाव पर हैं

- नाराजगी जताते हुए संविदाकर्मी लिख रहे हैं मुख्यमंत्री को खून से पत्र।

जयपुर, 2 मार्च (का.प्र.)। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से प्रस्तुत किए गए बजट में पुरानी पेंशन स्कीम को लागू करने की घोषणा के बाद से लगातार पूरे राजस्थान से कर्मचारी संगठन और उनके नेता मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करने जयपुर पहुंच रहे हैं। जताया जा रहा हैं मानो इस स्कीम के लागू होने के बाद राजस्थान का हर कर्मचारी खुश है। बाकायदा एक "मैनेज्ड" योजना के तहत ये स्वागत कार्यक्रम कराये जा रहे हैं।

दूसरी ओर राजस्थान के 80000 से ज्यादा संविदा कर्मी नाराजगी व्यक्त करते नजर आ रहे हैं, मुख्यमंत्री को खून से पत्र लिख रहे हैं और जलदाय विभाग के कर्मचारी भी सरकार के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। इनके अलावा अगर बेरोजगारों की बात करें तो उनकी नाराजगी लंबे समय से स्पष्ट रूप से चली आ रही है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब तमाम कर्मचारी सिर्फ पुरानी पेंशन स्कीम लागू होने से ही खुश हैं, तो फिर जलदाय विभाग के कर्मचारी आखिरकार क्यों आंदोलनरत हैं या संविदा कर्मियों की नाराजगी सरकार दूर क्यों नहीं कर रही है, या फिर सरकार यह मानती है कि सिर्फ पुरानी पेंशन स्कीम लागू करने से ही राजस्थान में वह फिर से बहुमत हासिल करके सरकार बना लेगी।

जानकारी के अनुसार, पुरानी पेंशन स्कीम को लागू करने की घोषणा करने के बाद सभी मंत्री और विधायक तथा कांग्रेस से जुड़े कर्मचारी संगठनों के नेता इस बात के लिए धन्यवाद देने के लिए मुख्यमंत्री निवास पहुंच रहे हैं। लेकिन जलदाय विभाग जैसे बड़े महकमे का कर्मचारी आंदोलन की राह पकड़े हुए हैं। क्योंकि ग्रामीण इलाकों में चल रही जनता जल योजना में लगे कार्मिक न्यूनतम मानदेय पर ग्रामीणों की प्यास बुझा रहे हैं। साल 2013 में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) में रिक्त पदों पर भर्ती की विज्ञिप्त जारी की गई थी। इन पदों पर जनता जल योजना के कर्मचारियों ने भी आवेदन किए थे। इनमें से 4 हजार कर्मचारियों को पात्र मानकर उनकी सूची भी जारी की गई और पीएचईडी और वित्त विभाग ने आयु, योग्यता और बोनस अंक के लिए अनुमति दी है। इस संबंध में कोर्ट से भी छूट दी गई है। इसके बावजूद आज तक इनको नियुक्ति नहीं मिल पाई है। इन कर्मचारियों को अन्य किसी भर्ती में भी समायोजित नहीं किया गया है। जनता जल कर्मियों ने महापड़ाव डाल दिया है।

दूसरी ओर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से पेश किए गए बजट से प्रदेश के 80 हजार से अधिक संविदा कर्मचारियों की उम्मीद टूटी है। जन घोषणा पत्र में संविदा कर्मियों को नियमित करने का वादा करने वाली कांग्रेस सरकार ने बजट में इस पर एक शब्द तक नहीं बोला। ऐसे में अब संविदा कर्मचारी खून से पत्र लिख कर सरकार से बोनस अंक देने की मांग कर रहे हैं। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि आखिरकार कर्मचारियों को लेकर सरकार की इन घोषणाओं का क्या वास्तव में सकारात्मक असर होगा या फिर आंदोलन की राह अपना रहे कर्मचारी कांग्रेस की राह में बड़ा रोड़ा बनेंगे।

धौलपुर के 2 छात्र यूक्रेन से सुरक्षित लौटे

धौलपुर, 2 मार्च (निसं)। यूक्रेन में फंसे धौलपुर के 9 छात्रों में से 2 छात्र बुधवार को सुरक्षित घर पहुंचे। धौलपुर जिला कलैक्टर राकेश कुमार जायसवाल ने इन छात्रों के घर पहुंच कर उनका हालचाल जाना और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली।

जिला कलैक्टर ने बताया कि धौलपुर जिले से 9 छात्र यूक्रेन में रह कर एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे थे। उन सभी से सम्पर्क हो चुका है। उन्होंने बताया कि छात्र शिवपाल सिंह तथा हरीश कुमार मीणा घर लौट चुके हैं। अन्य छात्रों में हर्ष चौधरी खारकीव से निकल चुका है, कुलदीप शर्मा फ्लाइट में चल रहा है, रविकांत सोनी पोलैंड पहुँच चुका है, शिवम शर्मा, राहुल सिंह, मनोज त्यागी रोमानिया एवं विदुषी शिवहरे लिविन पहुंच चुके हैं। उन्होंने छात्रों से दूरभाष पर बात कर खाने, पीने एवं स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली।

- जिला कलैक्टर ने जिले के शेष 7 छात्रों से भी फोन पर बात की।

उन्होंने यूक्रेन में फंसे छात्रों के परिवारजनों से जानकारी लेते हुए बताया कि सरकार द्वारा छात्रों को यूक्रेन से अपने देश लाने के लिए फ्लाइट्स की व्यवस्था की गई है।

कुछ छात्रों के देर रात तक अपने देश पहुंचने की संभावना है। उन्होंने उनके परिजनों से कहा कि बच्चों से सम्पर्क बनाए रखे तथा जानकारी मिलने पर जिला प्रशासन को शीघ्र अवगत कराएं। जिला स्तर पर भी इसके लिए कन्ट्रोल रूम स्थापित किया गया। इस अवसर पर धौलपुर एसडीएम भारती भारद्वाज, तहसीलदार भगवत शरण त्यागी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

रूस के प्र.मंत्री पुतिन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रूस के सबसे बड़े बैंक स्बर बैंक की यूरोपीय शाखा ग्राहकों द्वारा पैसे निकाले जाने के बाद आज धराशाही हो गई।

ऑस्ट्रिया के केन्द्रीय बैंक ने एक आदेश जारी कर स्बर बैंक से कहा है कि वह मांगे पूरी ना कर पाने के कारण अपने सभी लेन-देन बंद कर दे। मॉस्को स्टॉक एक्सचेंज सप्ताहांत के बाद से ही नहीं खुला है और विदेशी कंपनियों में यहां से अपना पैसा निकालने की आपाधापी मची हैं।

केन्द्रीय बैंक रूस से बाहर फण्ड ट्रांसफर करने को लेकर कैपिटल कन्ट्रोल्स लागू कर रहे हैं। दिग्गज ऑयल कंपनी एक्ज़ोन मोबिल से लेकर एप्पल और फोर्ड से लेकर अन्य बड़ी ग्लोबल कंपनियां रूस छोड़ रही हैं। इनके संयंत्र अब क्रियाशील नहीं हैं जिसका मतलब है बेरोजगारी तेजी से बढ़ रही है। एप्पल ने रूस में अपने उत्पाद बेचने बंद कर दिए हैं।

महत्वपूर्ण बात यह है कि एविएशन मार्केट में अपनी अच्छी-खासी हिस्सेदारी रखने वाली बोइंग कंपनी ने घोषणा की है कि वह रशियन एयरलाइन्स द्वारा उपयोग किए जा रहे एयर क्राफ्ट की सर्विस रोक देगी। यानि वह रूस में अपना बेड़ा कर कर रही है। बोइंग की प्रतिद्वंदी एयरबस इण्डस्ट्री भी कुछ ऐसा ही करने पर विचार कर रही है।

बताया जाता है कि रूस की सरकार और उसके वित्तीय प्राधिकरण एक ऑर्डर जारी कर रहे हैं जिसमें विदेशी फर्मों की अचानक वापसी और रूस में मौजूद उनकी सम्पत्तियों को बेचने पर पाबंदी होगी। यह एक हताशापूर्ण कदम है क्योंकि ऐसा कोई भी प्रतिबंध रूस में बाहरी निवेश की संभावनाओं को और क्षीण करेगा।

भाजपा युवा मोर्चा ने डोटासरा को काले झंडे दिखाए

- रीट परीक्षा में हुई धांधली की सीबीआई जांच कराने की मांग को लेकर झुंझुनू जिला मुख्यालय स्थित अग्रसेन सर्किल पर भाजपा युवा मोर्चा ने जिलाध्यक्ष जयसिंह माठ की अगुवाई में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा को काले झंडे दिखाकर विरोध प्रदर्शन किया।

झुंझुनूं, 2 मार्च (निसं)। रीट परीक्षा में हुई धांधली की सीबीआई जांच कराने की मांग को लेकर जिला मुख्यालय स्थित अग्रसेन सर्किल पर भाजपा युवा मोर्चा ने जिलाध्यक्ष जयसिंह माठ की अगुवाई में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा को काले झंडे दिखाकर विरोध प्रदर्शन किया।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा का काफिला जब अग्रसेन सर्किल से मंड्रेला बाईपास की तरफ मुड़ा उसी दौरान आसपास की दुकानों पर बैठे भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता डोटासरा की गाड़ी के सामने आकर काले झंडे लहराने लगे। कार्यकर्ताओं ने बताया कि इसी दौरान कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष के काफिले के साथ चल रहे कांग्रेस पदाधिकारियों ने युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं पर लाठियों एवं लोहे की पाइपों से हमला कर दिया और पुलिस इस पूरे घटनाक्रम को मूक दर्शक बनकर देखती रही।

कांग्रेस पदाधिकारियों के हमले के कारण भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष अनुज लाम्बा, कार्यालय मंत्री राजू मराठा, जिला कार्यसमिति सदस्य हिमांशु बुडानिया, विजेन्द्र गोदारा चारावास सहित कई कार्यकर्ताओं के चोटें भी आईं तथा कुछ कार्यकर्ताओं को पुलिस हिरासत में भी लिया गया।

प्रर्दशन में युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष मनजीत यादव, विपिन जोशी, मीडिया प्रभारी हितेश पचार, महामंत्री निखिल शर्मा, आई टी सैल प्रभारी मनीष सैनी, रणसिंह नेहरा, अभिषेक गेट सहित कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भाजपा जिलाध्यक्ष पवन मावंडिया ने कहा कि, रीट परीक्षा में हुई धांधली की सीबीआई जांच कराने की मांग को लेकर प्रजातांत्रिक तरीके से आंदोलन कर रहे भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं पर, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष के दौरे में साथ चल रहे कांग्रेस पदाधिकारियों द्वारा पुलिस की मौजूदगी में लाठियों एवं लोहे की पाइपों से किया गया हमला बहुत ही निंदनीय है।

रैया के बास का छात्र यूक्रेन में फंसा

पाटन, 2 मार्च (निसं)। पंचायत समिति अंतर्गत ग्राम रैया का बास का देशराज नामक विद्यार्थी अभी भी यूक्रेन के सूमी सुमसका एरिया के जेम ओसटिनसका स्ट्रीट 7 में फंसा हुआ है।घनश्याम गुर्जर निवासी रैया का बास ग्राम ने बताया कि देशराज सुमी स्टेट युनिवर्सिटी में एमबीबीएस का पांचवें वर्ष का स्टूडेंट है। उसके माता -पिता व परिजन बहुत चिंतित है। I टीवी में युद्ध के समाचार देखकर उन्हें और चिंता हो रही है। वे परिजन पीएमओ कार्यालय में संपर्क करने में लगे हुए है परंतु अभी तक उसके पास कोई रेस्क्यू टीम नहीं पहुंच पाई है।पीएमओ कार्यालय से संपर्क करने पर जानकारी मिली की देशराज सहित सभी विद्यार्थियों को सकुशल भारत लाया जाएगा। देशराज के पिता घनश्याम गुर्जर आसाम राइफल में कार्यरत हैं और रात को ही अपने घर पहुंचे हैं। वही देशराज के ताऊ हीरालाल गुर्जर भी पीएमओ कार्यालय में बार-बार संपर्क जुटाने में लगे हुए हैं।

- देशराज गुर्जर सूमी स्टेट यूनिवर्सिटी में एस.बी.बी.एस. स्टूडेंट है।

'पूर्व राष्ट्रपति यानूकोविच को यूक्रेन का नया राष्ट्रपति देखना चाहते हैं पुतिन'

- यूक्रेन के नये राष्ट्रपति के तौर पर विक्टर यानूकोविच को स्थापित करने के लिए एक विशेष अभियान चलाने की तैयारी में है रूस
- यूक्रेन के चौथे राष्ट्रपति यानूकोविच को 2014 में, यूक्रेन-यूरोपीय संघ समझौते को अस्वीकार किये जाने के कारण हटा दिया गया था।
- जून 2015 में यूक्रेनी संसद ने यानूकोविच को राष्ट्रपति के पद से हटा दिया था और वर्ष 2019 में यूक्रेनी अदालत ने उन्हें राजद्रोह के आरोप में 13 साल की सजा सुनायी थी।

मास्को, 2 मार्च (वार्ता)। यूक्रेन के खिलाफ एक सप्ताह पहले युद्ध शुरू करने वाले रूसी के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन यूक्रेन के पूर्व राष्ट्रपति विक्टर यानूकोविच को देश के नये राष्ट्रपति के रूप में स्थापित करना चाहते हैं। यानूकोविच को रूस समर्थक माना जाता है। बुधवार को सामने आयी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी।

बताया जा रहा है कि यानूकोविच फिलहाल मिंस्क में हैं और रूस यूक्रेन के नये राष्ट्रपति के रूप में वोलोदिमीर जेलेंस्की की जगह उन्हें स्थापित करने के लिए एक विशेष अभियान चलाने की तैयारी में है। जेलेंस्की यूक्रेन में बढ़ रही सेना का प्रखर प्रतिरोध करने वाले आइकन के रूप में उभरे हैं।

यूक्रेन के चौथे राष्ट्रपति यानूकोविच को 2014 में यूक्रेन -यूरोपीय संघ समझौते को अस्वीकार किये जाने के कारण अपदस्थ कर दिया गया था। उन्होंने 2010 से 2014 तक यूक्रेन के राष्ट्रपति के रूप में काम किया। इससे पहले वह 2006-07 तक देश के प्रधानमंत्री भी रहे और नवंबर 2002 से जनवरी 2005 के बीच देश की सेवा की हालांकि दिसंबर 2004 में उनके कार्यकाल में थोा अंतराल भी आया था। जून 2015 को यूक्रेनी संसद ने यानूकोविच को आधिकारिक रूप से राष्ट्रपति के पद से हटा दिया था।

छह उड़ानों में 1,377 भारतीय रवाना

नई दिल्ली 2 मार्च (वार्ता)। ऑपरेशन गंगा के तहत पिछले 24 घंटों में यूक्रेन से छह उड़ानों में 1,377 भारतीय स्वदेश के लिए रवाना हो चुके हैं, जिसमें पोलैंड की पहली उड़ान भी शामिल है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को एक ट्वीट में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन छह उड़ानों में पोलैंड की पहली उड़ानें भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, "पिछले 24 घंटों में अब छह उड़ानें भारत के लिए रवाना हुई हैं। इसमें पोलैंड से पहली उड़ान भी शामिल हैं। यूक्रेन से 1377 और भारतीय नागरिकों को वापस लाया गया।"

विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने मंगलवार शाम को कहा था कि अगले तीन दिन में भारतीय नागरिकों को लाने के लिए 26 उड़ानें निर्धारित की गई हैं तथा पोलैंड और स्लोवाक गणराज्य के हवाई अड्डों का भी उपयोग किया जा रहा है।

पुतिन के इर्द ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शान्ति पुरस्कार प्राप्त डिमिट्री मुराटोव भी शामिल थे, जिन्होंने शत्रुता को खत्म करने की जरूरत बताई।

और वे कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। अगर मिखाइल खोदोर्कोव्स्की के बाद, पिछले करीब दो दशकों में पुतिन के खिलाफ साफ-साफ और खरी-खरी बात इन गिने-चुने लोगों ने ही कही है। ज्ञातव्य है कि मिखाइल खोदोर्कोव्स्की उस समय रूस के सर्वाधिक धनी व्यक्ति थे तथा उन्हें विपक्षी दलों को आर्थिक मदद करने के आरोप में जेल में डाल दिया गया था।

रूस के कुछ अधिक धनिक लोगों की शुद्ध पूँजी करीब आधी तो रह ही गई है। उन्हें अब तक कुल मिलाकर अनुमानतः 83 लाख करोड़ डॉलर का नुकसान हो चुका है क्योंकि रूसी अर्थव्यवस्था धड़ाम से गिर गई है।

वसुंधरा राजे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। राजे विद्याधर नगर में गोविंदगिरी महाराज से मिलकर घर लौट रही थीं। कार की आगे वाली सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री राजे बैठीं थी ओर पीछे ओएसडी महेन्द्र भारद्वाज बैठे थे। इस दौरान एक दूसरी कार ने राजे की कार को साइड से टक्कर मार दी। वह कार तान्या नाम की लड़की चला रही थी और गाड़ी चलाते समय मोबाइल पर बात कर रही थी, टक्कर से राजे की कार के लेफ्ट साइड के गेट को नुकसान हुआ। लड़की ने कार से बाहर आने के बाद राजे से माफी मांगी। दुर्घटना की जानकारी मिलने पर विद्याधर नगर थाना प्रभारी सहित दुर्घटना थाना पुलिस मौके पर पहुंची। राजे ने सभी को कार्रवाई नहीं करने को कहा। दुर्घटना के कारण लड़की काफी डर गई थी। इसलिए राजे ने उसे समझाया कि वह आराम से अपने घर जाए।

रेप व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरोपी, जिसमें 8 और 11 साल के दो बच्चे भी थे, पॉर्न एडिक्ट थे। उन्होंने बताया कि असम पुलिस ने उन निर्देशों का पालन किया, जिनका पालन जांच अधिकारी बलात्कार, दुराचरण और अन्य यौन अपराधों की जांच के डिजीटल सबूत जुटाने में करते हैं। याचिकाकर्ता ने आग्रह किया कि सभी राज्य सरकारों को निर्देश दिए जाए कि अपनी स्थानीय पुलिस और जांच एजेंसियों से तुरंत ऐसा डेटा उपलब्ध करवाएं क्योंकि महिलाओं और बच्चों पर यौन हमलों और बलात्कार की घटनाए देशभर में बढ़ रही हैं। अखबारों में सभी उम्र की महिलाओं के साथ बलात्कार व यौन दुराचरण की परेशान कर देने वाली खबरों का उल्लेख करते हुए याचिका में कहा गया है कि, ऐसी खबरों का सबसे हैरान करने वाला पक्ष यह है कि ऐसे अधिकांश मामलों में पीड़ित बच्चे हैं और कुछ तो शिशु हैं। यह गंभीर चिंता का विषय है क्योंकि सही यौन आचरण से संबंधित यौन शिक्षा हमारी शिक्षा व्यवस्था का अंग नहीं है तथा इसे सामाजिक रूप से अनुचित एवं निषिद्ध माना जाता है।

गत तीन दिन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विमान सौदे में भ्रष्टाचार के लिए नरेन्द्र मोदी सरकार पर भी प्रहार करते रहे हैं।

के.सी.आर. का भाजपा विरोधी रूख गत उप चुनाव में तेलंगाना में भाजपा की जीत के बाद से मुखर हुआ है। उक्त उप चुनावों में भाजपा ने राज्य की दोनों सीटें जीत ली थीं। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम चुनाव में अच्छे प्रदर्शन के बाद राज्य में भाजपा की उम्मीदे बढ़ गई हैं। गत महीनों में भाजपा राज्य में हिंदू वोटो को ध्रुवीकृत करने का प्रयास कर रही है और आरोप लगा रही है कि के.सी.आर. की तेलंगाना राष्ट्र समिति और असदुद्दीन ओवैसी की ए.आई.एम.आई.एम. के के बीच एक गुप्त समझौता है।

इसके जवाब में के.सी.आर. भाजपा को खत्म करने के लिए राष्ट्रीय राजनीति में कूदने की धमकी दे रहे हैं। अटकलें हैं कि के.सी.आर. तेलंगाना का मुख्यमंत्री पद अपने बेटे के.टी. रामाराव को दे देंगे।

पुतिन आखिर चाहते क्या...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रश्नः यूक्रेन में ऐसा क्या था जिससे पुतिन भड़क गए?

उत्तरः यूक्रेन को तेजी से पश्चिमीकरण हो रहा है यह अलग रूप लेता जा रहा है। तथा वहां की शासन, व्यवस्था उनके नियंत्रण से बाहर जा रही है। कालान्तर में, यह सब रूस के अन्य लोगों के लिये दृष्टान्त का करेगा तथा रूस के लोग और ज्यादा लोकतांत्रिक होना चाहेंगे। यूक्रेन एक प्रकार से रूस की एकतंत्रीय तानाशाह व्यवस्था के प्रतिकूल मिसाल बन जायेगा। और फिर "डोमिनोज़" की लाइनें लग जायेंगी, एक के बाद एक "कलर रिवोल्यूशन" होगा और डोमिनोज़ की कतारों के अंत में नहीं रूस नज़र आएगा और यह स्थिति पुतिन के लिये बहुत खतरनाक होगी।

प्रश्नः अन्तर्राष्ट्रीय सम्बंधों के "सलामी दांव-पेच" क्या है तथा वे यहाँ किस तरह प्रयुक्त होते दिखाई देते हैं?

उत्तरः "सलामी कौशल" से आपका अभिप्राय है कि आप थोड़ा और चाहते हैं तथा फिर थोड़ा और, जब तक कि आप किसी चीज पर पूरा नियंत्रण हासिल नहीं कर लेते। रुस-यूक्रेन संदर्भ में, हम इसे यूक्रेन पर रुस के नियंत्रण के रुप में ले सकते हैं। इसमें (इन्टरलॉकिंग कमिटमेंट की समस्या भी है) यह वादा नहीं कर सकता कि वह नाटो का सदस्य नहीं बनेगा। यह बात रुस को अपनी सीमाओं के लिये खतरे के रुप में दिखाई देती है। इसके साथ ही, रुस भी ऐसा कोई विश्वसनीय वादा नहीं कर सकता कि अगर यूक्रेन समय कुछ रियायत दे भी देता है तो रुस इसके बाद उससे कुछ और ज्यादा नहीं माँगेगा। यह रियायत (कन्सेशन) चाहे जमीन सम्बंधी हों, चाहे सत्ता -परिवर्तन सम्बंधी हों या नाटो में शामिल न होने के वादे से सम्बंधित हो।

प्रश्नः अगर पुतिन यूक्रेन में सफल हो जाते हैं तो फिर उसके बाद क्या होगा?

उत्तरः अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था के सिद्धांत ध्वस्त हो जायेंगे। इन सिद्धांतों में शामिल हैं क्षेत्रीय अखंडता। यह वो चीज है जिसके लिये रुस ने उस समय प्रतिबद्धता जताई थी, जब यूक्रेन ने अपने परमाणु हथियार त्याग दिये थे तथा स्वतंत्र हो गया था। मूलतः पुतिन पश्चिम को तथा शेष विश्व को अंगूठा दिखा रहे हैं। उदाहरणार्थ, उन्होंने "सैन्य कार्यवाही" की घोषणा ठीक उस समय की, जब संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद इस संकट पर चर्चा करने के लिये मीटिंग कर रही थी। अन्य देश, खासतौर से बाल्टिक देशों का ही नहीं, बल्कि यूएसएसआर के विघटन के कारण बने सभी गणतंत्रों का यह सोचना वाजिब एवं सकारण ही माना जायेगा कि यूक्रेन के बाद, अगली बारी उन्हीं की है। अगर रुस कामयाब हो जाता है, तो पूरी दुनिया ही बदल जायेगी, नाटो को सशस्त्र होना होगा तथा सभी देशों को रक्षा पर और ज्यादा बहुत ज्यादा खर्च करना होगा। सशस्त्रीकरण के दौर पर दौर चलेंगे। ऐसे माहौल में, एक मामूली सी गलती, कोई चूक, कोई मिस्ड फोन कॉल, कोई गलत अनुवाद, जीपीएस की गड़बड़ी के कारण भी चीजें तुरंत हाथ से निकलती हुई दिखाई देंगी।

प्रश्नःअगर पुतिन यूक्रेन में हार जाते हैं तो आपके विचार से, वे फिर क्या करेंगे?

उत्तरः यूक्रेन में मिली पराजय, पुतिन को घरेलू, राजनैतिक तथा शारीरिक रूप में जीवित रहने की स्थिति में नहीं छोड़ेगी। बिल्कुल अभी हाल ही प्रकाशित एक पुस्तक "कैटेस्ट्रोफिक सक्सैस" में, अलेक्जेन्डर डाउन्स कहते हैं कि इस प्रकार के सत्ता परिवर्तन, जो पुतिन चाह रहे हैं, प्रायः बड़ी बुरी तरह विपरीत प्रतिक्रिया, ठीक उल्टी स्थिति पैदा कर देते हैं। अगर रूस के उद्देश्य सफल नहीं होते, तो पुतिन वास्तव में बहुत गहरे संकट में फंस जायेंगे। जैसे कि इन दिनों कई रूसी शहरों में हो रहे युद्ध विरोधी प्रदर्शन दिखाई दे रहे हैं, रूस की जनता का एक बहुत बड़ा तथा उल्लेखनीय हिस्सा ऐसा है, जो बाहर जाने तथा इस युद्ध के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने की इच्छा रखता है। यह निश्चित रूप से बहुत जोखिम वाली तथा बहुत ही बहादुरी एवं साहसिक कार्यवाही है।

इसलिये, अगर पुतिन अपने लक्ष्य हासिल नहीं कर पाते हैं, तो इस बात की बहुत अधिक संभावना होगी कि उन्हें सत्ता से हटा दिया जाये।

यही कारण है कि वे इस समय कुछ बहुत ही जोखिम वाले कदम, जिन्हें "पुनर्जीवन हेतु जुआ" कहा जाता है, यह सोच कर तथा इस आशा में उठा सकते हैं, कि ऐसा करके वे सत्ता में बने रहेंगे।

मैंने इस संबंध में अपनी पहली पुस्तक में लिखा था तथा बताया था कि प्रथम विश्व युद्ध चार साल तक क्यों चला, जबकि जर्मन नेता नवम्बर 1914 में ही इस नतीजे पर पहुंच गये थे कि वे जीत नहीं सकते, लेकिन वे चार साल तक और केवल इसलिये लड़े क्योंकि वे अपने देश में संभावित राजनैतिक सजा से डर रहे थे।

जिस खतरनाक चीज को समझ पाना मुश्किल है, वो यह है कि पुनर्जीवन के जुए के इस तर्क का प्रतिकार करने के लिये पश्चिम संभवतः कुछ नहीं कर सकेगा।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908